SA–04

June – Examination 2024

B.A. (Part II) Examination

SANSKRIT

(Gadya, Samas Prakaran Tatha Nibandh)

गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध

Paper : SA-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) शुकनासोपदेश किस रचना का अंश है ? लेखक का नाम भी बताइए।

   (ii) 'शिवराजविजयम्' के अनुसार शिवाजी के प्रधान गुप्तचर का क्या नाम है ?

   (iii) 'शुकनासोपदेश' में किसे किसने उपदेश दिया है ?

   (iv) 'कृष्णश्रितः' पद का समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।

   (v) द्विगु समास से आप क्या समझते हैं ? **दो** उदाहरण दीजिए।

   (vi) 'शिवराजविजयम्' के रचयिता कौन हैं ? इन्हें किस उपाधि से विभूषित किया गया ?

   (vii) 'पञ्चमी भयेन' सूत्र का अर्थ एवं उदाहरण दीजिए।

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) आलोकयतु तावत् कल्याणाभिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम्। इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पल-वन-विभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात् पारिजातपल्लवेभ्यो रागम्, इन्दुशकलादेकान्त वक्रताम्, उच्चैःश्रवसः चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिम्, मदिराया मदम्, कौस्तुभमणे रतिनैष्ठुर्य्यम् इत्येतानि सहवास-परिचयवशादिह विनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता। नहयेवंविधमपरम् अपरिचितमिह जगति किञ्चिदस्ति यथेयमनार्य्या।

अथवा

(ब) अथ समापित सन्ध्या वन्दनाहि क्रिये समायाते गुरौ तदाज्ञया नित्य नियमसम्पादनाय प्रयाते गौरवटौ छात्रगण सहकारेण प्रस्तुतासु च स्वागतसामग्रीषु 'इत आगम्यताम् सनाश्यतामेष आश्रम' इति सप्रणाममभिगम्य वदत्सु निखिलेषु योगिराज आगत्य तन्निर्दिष्ट काष्ठ पीठं भास्वानि वोदयगिरिमारुरोह उपाविशच्च।

3. निम्नलिखित में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) गर्भेश्वरत्मभिनव यौवनत्वम प्रतिमरूपत्वममानुषशक्तित्वञ्चेति महतीयं खटवर्थपरम्परा सर्वा। अविनयानामेकैकमप्येषामायतनम्: किमुत समवायः। यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षाल्ननिर्म्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधबलापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूत-रजोभ्रान्तिरति दूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः।

अथवा

(ब) अथ कन्यके। या भैषीः, पुत्रि! त्वां यातु समीपे प्रापयिष्यामः, दुहितः! खेदं मा वह; भगवति! भुङ्क्ष्वकिञ्चित्, पिब पयः, एते तव भ्रातरः, यत् कथयिष्यसि, तदेव करिष्यामः मा स्म रोदनैः प्राणान् संशयपदवीमा रोपयः, मा स्म कोमलमिदं शरीरं शोक ज्वालावलीढं कार्षीः इति सहस्रधा बोधनेन कथमपि सम्बुद्धा किञ्चिद् दुग्धं पीतवती।

4. 'शिवराजविजयम्' के आधार पर तत्कालीन समाज का वर्णन कीजिए।

5. 'शुकनासोपदेश' में वर्णित राज्यलक्ष्मी के स्वरूप को विवेचित कीजिए।

6. समास की परिभाषा बताते हुए समास के भेदों के नाम लिखिए तथा द्वन्द्व समास को सूत्रोदाहरणपूर्वक उल्लेख कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

   (i) नदीभिश्च

   (ii) तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन

   (iii) उपमानानि सामान्यवचनैः

   (iv) अनेकमन्य पदार्थे

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** समस्त पदों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :

   (i) अधिहरि

   (ii) यूपदारू

   (iii) पञ्चगवम्

   (iv) राजपुरुषः

9. महाकवि बाणभट्ट की काव्यगत विशेषताओं की युक्तियुक्त समीक्षा 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' सूक्ति के आधार पर कीजिए।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. 'शिवराजविजयम्' उपन्यास के प्रथम निश्वास का सार अपने शब्दों में लिखिए।

11. शुकनासोपदेश को आधार कर राज्यलक्ष्मी के दोष को बताते हुए गुरु के उपदेश का महत्व बताइए।

12. "'शिवराजविजय' भाषा और भाव दोनों ही दृष्टि से उत्तम कोटि का काव्य कहा जा सकता है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर निबन्ध लिखिए :

(i) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्

(ii) सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम्।

(iii) पर्यावरणम् प्रदूषणम् च

(iv) विकसितभारतदेशः 2047